सशस्त्र सीमा बल वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (संदीक्षा) की 11 नवम्बर, 2016 को नई दिल्ली में होने वाली वार्षिक कल्याण प्रदर्शनी के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का उद्घाटन भाषण

1. मुझे इस बात की खुशी है कि मैं आज सशस्त्र सीमा बल वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन की वार्षिक कल्याण प्रदर्शनी में सम्मिलित हो रही हूँ। इस प्रदर्शनी में आयोजित कार्यक्रम में अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करने के लिए मैं श्रीमती अर्चना रामसुंदरमजी, महानिदेशक और अध्यक्ष, संदीक्षा को धन्यवाद देती हूँ।

2. मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि ''संदीक्षा'' लगातार विविध लोकोपकारी कार्यकलापों का संचालन कर रही है, उसी कड़ी में यह प्रदर्शनी भी आयोजित की गई है जिससे महिला शक्ति एवं उनके कौशल को बढ़ावा मिले। इस संस्था ने स्वच्छता, पौधारोपण, सड़क–सुरक्षा इत्यादि कार्यों को लोकप्रिय बनाने के लिए अनेक जागरूकता अभियानों का भी आयोजन किया है। मुझे यह भी बताया गया है कि संदीक्षा परिवार जन कल्याण के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने के साथ–साथ समसामयिक व आवश्यक सूचनाओं के लिए जन चेतना शिविर का भी आयोजन करता है। आपके द्वारा किए गए जनहितकारी कार्य प्रेरणा देने वाले हैं।

3. संस्था का उद्देश्य सशस्त्र सीमाबल के कार्मिकों एवं उनके परिवारजनों को आर्थिक, सामाजिक और भावनात्मक हर प्रकार का सहयोग प्रदान करना है, उन्हें हर प्रकार से सहायता, सुरक्षा, संरक्षा एवं मनोबल प्रदान करना है ताकि इस बल के वीर जवान निश्चिन्त होकर देश के सीमाओं की रक्षा करें।

4. जितनी बहादुरी से सशस्त्र सीमा बल के जवान सीमा की रक्षा करते हैं, उतनी ही बहादुरी, आत्मसजगता, धैर्य और कर्त्तव्यनिष्ठा से वीर जवानों की जीवनसंगिनी घर के मोर्चे की कमान भली–भांति संभालती है। आप सभी को मेरा अभिनंदन है।

5. अब तो महिलाएं भी सुरक्षा हेतु सेना में शामिल होकर अपनी वीरता के जौहर दिखा रही है। इसी वर्ष मार्च महीने से आईटीबीपी अर्द्धसैनिक बल की 500 महिला सैनिकों को चीनी बॉर्डर पर नियुक्त किया गया है। साढ़े 10 हजार फीट की ऊंचाई पर तैनात इन महिला सैनिकों की बहादुरी, देशप्रेम एवं जीवटता इस बात का जीवन्त उदाहरण है। अब तो बीएसएफ ने भी भारत–पाकिस्तान की सीमा की रखवाली के लिए महिला सैनिकों की तैनाती की है। यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुझे खुशी है कि सशस्त्र सीमा बल की वर्तमान महानिदेशक श्रीमती रामसुन्दरम ऐसी पहली महिला हैं जिन्हें किसी भी अर्द्धसैनिक बल का महानिदेशक बनाया गया है। उनके नेतृत्व का लाभ आपको मिलेगा, ऐसी आशा करती हूं।

6. हाल के वर्षों में एसएसबी का बड़े पैमाने पर विस्तार हुआ है। वर्तमान समय मे यह बल न केवल नेपाल और भूटान के साथ लगी भारतीय सीमाओं की रक्षा करने के अपने प्रमुख कर्त्तव्य का निर्वहन कर रहा है अपितु इसकी तैनाती वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित कुछ क्षेत्रों और उग्रवाद रोधी अभियानों के लिए भी की गई है।

7. 2450 किलोमीटर के भारतीय नेपाल और भारत भूटान सीमा पर सशस्त्र सीमा बल की भूमिका सर्वविदित है। इस बल की उपस्थिति ने सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों के मनोबल को बढ़ाया है उन्हें सुरक्षा प्रदान की है। जबकि मादक द्रव्यों को बेचने वालों, तस्करों और दुर्व्यापारियों, मानव तस्करों के लिए इसने प्रभावी रोधी बल के रूप मे कार्य किया है। अभी कुछ समय पहले, एसएसबी जवान की सतर्कता के कारण फ़लकनुमा एक्सप्रेस से 39 बच्चों को मानव तस्करी से बचाया जा सका। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सबसे पहले लोगों की मदद करने में आगे आने वालों मे एसएसबी का भी नाम है चाहे नेपाल त्रासदी हो या उत्तराखंड त्रासदी या फिर बिहार और असम की भयानक बाढ़, इस बल ने अपनी कर्त्तव्यनिष्ठा, साहस और जीवटता से लोगों की जानें बचाईं हैं और उनका सहयोग और स्नेह पाया है।

9. ऐसे आयोजनों से सैनिक बलों और उनके परिवारजनों में आत्मीयता बढ़ती है तथा वे उनमें प्रदर्शित सामानों को खरीदते हैं जिससे उन परिवारजनों को प्रोत्साहन मिलता है कि अगली बार वे और अच्छे प्रोडक्ट बनाएं।

12. मैं एक बार फिर प्रत्येक वर्ष ऐसे सामाजिक रूप से उत्साहवर्धक और लोगों को आपस में जोड़ने वाले कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए किए गए अथक प्रयासों के लिए इस प्रदर्शनी के आयोजकों को बधाई देती हूँ। मुझे भरोसा है कि अपनी प्रतिभा और उद्यमिता का प्रदर्शन करने के लिए अधिकाधिक संख्या में महिलाएं इसमें भाग लेंगी और दूसरी ओर उनके बहादुर पति सीमाओं की रक्षा करते हुए देश का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

14. मैं संदीक्षा के सभी प्रयासों की सफलता की कामना करती हूँ।

धन्यवाद।

———